परिशिष्ट

परिशिष्ट I *(पैराग्राफ 1.5 के संदर्भ में)*

नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्ति एवं सेवा शर्त्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 14 के अंतर्गत लेखापरीक्षा योग्य स्वायत्त निकायों को 2016-17 के दौरान जारी अनुदान

(₹ करोड़ में)

	स्वायत्त निकाय	**2016-17 में जारी अनुदान की राशि**
परमाणु ऊर्जा विभाग		
1.	हरीश चन्द्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद	34.43
2.	गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई	57.46
3.	परमाणु ऊर्जा शिक्षा समिति, मुंबई	79.40
4.	टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान, मुंबई	650.47
5.	टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई	470.00
6.	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गाँधीनगर	512.19
7.	भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर	37.11
8.	राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर	185.63
9.	साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान, कोलकाता	118.51
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
10.	राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, गुड़गांव	51.36
11.	राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र, पुणे	6.34
12.	राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली	3.36
13.	राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, त्रिवेंद्रम	4.16
14.	डी.एन.ए. अंगुलिदाब एवं नैदानिक केंद्र, हैदराबाद	4.01
15.	जैव-संसाधन तथा सतत् विकास संस्थान, इम्फाल	9.28
16.	जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर	1.30
17.	ट्रांस्लेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद	21.80
18.	राष्ट्रीय कृषि खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान और जैव प्रसंस्करण इकाई, मोहाली	0.50
19.	स्टेम सेल अनुसंधान और पुनर्योजी चिकित्सा संस्थान, बंगलूरू	42.10
20.	राष्ट्रीय जैव चिकित्सा जीनोमिक्स संस्थान, कल्याणी	42.72
21.	राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद	15.75

	स्वायत्त निकाय	2016-17 में जारी अनुदान की राशि
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
22.	आर्यभट्ट पर्यवेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान, नैनीताल	5.81
23.	बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान, लखनऊ	42.62
24.	भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी, गुड़गांव	1.18
25.	प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद्, नई दिल्ली	8.27
26.	विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली	4.85
27.	वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान, देहरादून	6.55
28.	अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	4.15
29.	भारतीय भू-चुम्बकत्व संस्थान, मुंबई	6.10
30.	अंतर्राष्ट्रीय पाउडर धातु विज्ञान एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र, हैदराबाद	11.03
31.	भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बंगलूरू	7.84
32.	भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलूरू	4.68
33.	जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बंगलूरू	18.46
34.	बसु संस्थान, कोलकाता	16.54
35.	भारतीय विज्ञान विकास संघ, कोलकाता	46.03
36.	एस.एन.बोस राष्ट्रीय मौलिक विज्ञान केंद्र, कोलकाता	19.32
37.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उन्नत अध्ययन संस्थान, गुवाहाटी	10.25
38.	राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान, अहमदाबाद	6.47
39.	नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली	0.18
अंतरिक्ष विभाग		
40.	उत्तरपूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, शिलांग	17.24
41.	भारतीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रम	76.50
42.	राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला, तिरूपति	26.40
43.	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद	131.37
44.	अर्ध संचालक प्रयोगशाला, चंडीगढ़	234.00

	स्वायत्त निकाय	2016-17 में जारी अनुदान की राशि
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय		
45.	राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई	163.92
46.	भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम-विज्ञान संस्थान, पुणे	284.86
47.	भारतीय राष्ट्रीय समुद्री सूचना सेवा केंद्र, हैदराबाद	103.03
48.	राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र, गोवा	201.14
49.	भू-विज्ञान अध्ययन केन्द्र, तिरूवनंतपुरम	18.22
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय		
50.	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली	89.87
51.	गोबिन्द वल्लभ पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, अल्मोड़ा	34.81
52.	भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल	20.10
53.	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून	163.20
54.	भारतीय प्लाईवुड उद्योग अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बंगलूरू	7.80
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय		
55.	पवन ऊर्जा प्रौद्योगिकी केंद्र, चेन्नई	25.00
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय		
56.	पोलावरम प्रोजेक्ट प्राधिकरण, हैदराबाद	100.00
	कुल	**4,265.67**

परिशिष्ट II *(पैराग्राफ 1.6 के संदर्भ में)*

मार्च 2017 को समाप्त अवधि के लिए बकाया उपयोगिता प्रमाण पत्र

मंत्रालय/विभाग	अवधि जिससे अनुदान संबंधित है	मार्च 2017 तक देय बकाया उपयोगिता प्रमाण-पत्रों की संख्या	राशि (₹ लाख में)
परमाणु ऊर्जा विभाग	1991-2010	132	667.8
	2010-15	1,285	13,028.21
	2015-16	448	3,560.77
कुल		**1,865**	**17,256.78**
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	1993-2010	212	1,316.56
	2010-15	17,297	4,14,526.17
	2015-16	3,534	1,43,121.90
कुल		**21,043**	**5,58,964.63**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	2009-10	6,798	1,40,646.63
	2010-15	22,078	7,10,266.10
	2015-16	6,348	1,91,788.70
कुल		**35,224**	**10,42,701.43**
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	2005-10	104	16,640.49
	2010-15	657	1,12,644.16
	2015-16	108	8,042.65
कुल		**869**	**1,37,327.30**
अंतरिक्ष विभाग	1976-2010	125	607.96
	2010-15	64	182.28
	2015-16	72	406.27
कुल		**261**	**1,196.51**
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	1983-2010	402	3,003.25
	2010-15	188	2,211.51
	2015-16	267	18,865
कुल		**857**	**24,079.76**
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	1994-2010	3,530	11,828.24
	2010-15	357	6,514.65
	2015-16	140	28,619.16
कुल		**4,027**	**46,962.05**
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	2005-10	29	608.88
	2010-15	160	18,273.50

मंत्रालय/विभाग	अवधि जिससे अनुदान संबंधित है	मार्च 2017 तक देय बकाया उपयोगिता प्रमाण-पत्रों की संख्या	राशि (₹ लाख में)
	2015-16	580	1,65,632.11
कुल		**769**	**1,84,514.49**
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय	1986-2010	108	893.46
	2010-15	99	33,453.89
	2015-16	60	1,94,829
कुल		**267**	**2,29,176.35**
महायोग		**65,182**	**22,42,179.30**

परिशिष्ट III (पैराग्राफ 1.8 के संदर्भ में)

वैज्ञानिक और पर्यावरण मंत्रालयों/विभागों के तहत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की सूची।

क्रम.स.	सी.पी.एस.ई. का नाम
परमाणु ऊर्जा विभाग	
1.	अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड- ए.वी.एन.एल.
2.	भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड
3.	इलेक्ट्रोनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
4.	इंडियन रेयर अर्थस् लिमिटेड
5.	न्यूक्लीयर पॉवर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
6.	एन.पी.सी.आई.एल- इंडियन ऑयल न्यूक्लीयर एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड
7.	एन.पी.सी.आई.एल.-नाल्को पॉवर कंपनी लिमिटेड
8.	यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
जैव-प्रौद्योगिकी विभाग	
9.	भारत इक्योलॉजिकल्स एंड बायोलोजिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड
10.	जैव-प्रोद्यौगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद
11.	भारतीय टीका निगम लिमिटेड
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	
12.	सेन्ट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड
13.	नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
अंतरिक्ष विभाग	
14.	एन्ट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	
15.	अंडमान एवं निकोबार द्वीप वन तथा रोपण विकास निगम लिमिटेड
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	
16.	आंध्र प्रदेश सोलर पॉवर कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड
17.	हिमाचल रिन्यूवल लिमिटेड, शिमला
18.	इंडिया रिन्यूबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड
19.	कर्नाटक सोलर पॉवर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
20.	लखनऊ सोलर पॉवर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
21.	रिन्यूबल पॉवर कॉरेपोरेशन ऑफ केरल लिमिटेड
22.	रेवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड
23.	भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा-संरक्षण मंत्रालय	
24.	नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉरेपोरेशन लिमिटेड
25.	वाप्कोस लिमिटेड

परिशिष्ट IV (पैराग्राफ 1.9 के संदर्भ में)

वर्ष 2016-17 के दौरान अपलिखित की गई हानियाँ और न वसूल होने वाली देयताओं का विवरण

(राशि ₹ लाख में)

मंत्रालय/विभाग का नाम	अपलिखित की गई हानियाँ और न वसूल होने वाली देयताएं के कारण									
	प्रणाली की असफलता		उपेक्षा/धोखेबाजी इत्यादि		अन्य कारण		वसूली का माफ करना		एक्स-ग्रेशिया अदायगी	
	मामलें	राशि	मामलें	राशि	मामलें	राशि	मामलें	राशि	मामलें	राशि
परमाणु ऊर्जा विभाग	-	-	-	-	22	8.37	-	-	-	-
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	शून्य									
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	शून्य									
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग	शून्य									
अंतरिक्ष विभाग	-	-	-	-	8	8.59	-	-	-	-
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	आंकड़े उपलब्ध नहीं									
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	शून्य									
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	शून्य									
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय	आंकड़े उपलब्ध नहीं									
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**30**	**16.96**	**-**	**-**	**-**	**-**

परिशिष्ट V (पैराग्राफ 1.11 के संदर्भ में)

कः विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से वांछित कृत कार्यवाही टिप्पणी (ए.टी.एन.) की दिसम्बर 2017 में स्थिति का संक्षिप्त विवरण - ए.टी.एन. जो मंत्रालय/विभाग से पहली बार भी प्राप्त नहीं हुए हैं।

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	संसद में प्रस्तुति की स्थिति	ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
परमाणु ऊर्जा विभाग					
1.	2015 की 30	2.1	समूह प्रोत्साहन योजना से संबंधित निष्पादन का कार्यान्वयन	08.12.2015	20
जैव प्रौद्योगिकी विभाग					
2.	2017 की 17	3.3	परिवहन भत्ता का अनियमित भुगतान	21.07.2017	1
वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान विभाग					
3.	2017 की 17	5.1	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद में मानव संसाधन का प्रबंधन	21.07.2017	1
4.	2017 की 17	5.4	अप्रयुक्त भूमि के गैर-निपटान के कारण परिहार्य व्यय	21.07.2017	1
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय					
5.	2017 की 17	7.2	पदोन्नति योजना का अनियमित कार्यान्वयन	21.07.2017	1
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय					
6.	2016 की 39	पृथक एकल	पर्यावरण अनापत्ति तथा पश्च अनापत्ति निगरानी	10.03.2017	5

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	संसद में प्रस्तुति की स्थिति	ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय					
7.	2017 की 10	पृथक एकल	बाढ़ नियंत्रण और बाढ़ पूर्वाग्रह के लिए योजना	21.07.2017	1

खः सी.पी.एस.ई. के संबंध में विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से वाँछित कुल कार्यवाही टिप्पणी (ए.टी.एन.) की दिसम्बर 2017 में स्थिति का संक्षिप्त विवरण-ए.टी.एन. जो मंत्रालय/विभाग से पहली बार भी प्राप्त नहीं हुए हैं।

क्र.सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैरा संख्या	सी.पी.एस.ई. का नाम
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग			
1.	2017 की 9	13.1	केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय			
2.	2017 की 9	17.1	नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड

परिशिष्ट VI (पैराग्राफ 1.11 के संदर्भ में)

विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से वांछित कृत कार्यवाही टिप्पणी की दिसम्बर 2017 में संक्षिप्त स्थिति - ए.टी.एन. जिन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां दे चुका हैं, परन्तु संशोधित ए.टी.एन. प्राप्त नहीं हुए हैं।

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	ए.टी.एन. पर पुनरीक्षण प्रतिक्रियाओं की तिथि	संशोधित ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
परमाणु ऊर्जा विभाग					
1.	2013 की 22	2.2	स्थापना की अधिसंरचनात्मक सुविधाओं के सृजन के बिना यंत्र की खरीद में जल्दबाजी	04.08.2017	4
2.	2016 की 12	2.2	स्टीम टर्बाइन जेनरेटर का प्रतिष्ठापन न होना	25.10.2017	2
3.	2017 की 17	2.1	निविदा प्रक्रिया के बगैर औषधि के क्रय पर परिहार्य व्यय	22.11.2017	1
4.	2017 की 17	2.2	परमाणु ऊर्जा विभाग के स्वायत्त निकायों में मानव संसाधन प्रबंधन	27.12.2017	-
5.	2017 की 17	2.4	आवासीय फ्लैटों का अनियमित निर्माण तथा अनुदान निधि का व्यपवर्तन	27.12.2017	-
जैव प्रौद्योगिकी विभाग					
6.	2003 की 5	3.1	डी.बी.टी. की समीक्षा	22.09.2017	3
7.	2016 की 12	3.1	अनियमित प्रशासनिक तथा हकदारी प्रचालन	27.10.2017	2

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	ए.टी.एन. पर पुनरीक्षण प्रतिक्रियाओं की तिथि	संशोधित ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
8.	2017 की 17	3.1	अन्य संगठन को हस्तांतिरत किए जा चुके परिसर पर अनियमित व्यय	23.11.2017	1
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग					
9.	2004 की 5	3.1	टी.आई.एफ.ए.सी. की समीक्षा	04.08.2017	4
10.	2005 की 5	5.1	जी.टी.एस. द्विशतवार्षिकी उत्सव के दौरान निष्फल व्यय	25.10.2017	2
11.	2007 की 13	5.3	डी.एस.टी. में आंतरिक नियंत्रण	25.10.2017	2
12.	2008 की सी.ए.-3	5.2	सेवा का अनियमित विस्तार	03.07.2017	5
13.	2008-09 की सी.ए.-16	5.1	प्रौद्योगिकी के विकास के बावजूद देयों की गैर-वसूली	04.08.2017	4
14.	2008-09 की सी.ए.-16	5.3	बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान, लखनऊ	14.12.2017	-
15.	2014 की 27	3.1	विधिक शुल्क का कपटपूर्ण भुगतान	04.08.2017	1
16.	2015 की 30	3.2	भूमि के खराब प्रबंधन के कारण परिहार्य व्यय और कार्यालय परिसर का विलम्बित निर्माण	07.04.2017	8

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	ए.टी.एन. पर पुनरीक्षण प्रतिक्रियाओं की तिथि	संशोधित ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
17.	2016 की 26	पृथक एकल	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन स्वायत्त निकायों के प्रशासनिक कार्याकलाप	25.10.2017	2
18.	2017 की 17	4.1	राष्ट्रीय मानचित्रण नीति 2005 का अपर्याप्त कार्यान्वन	30.11.2017	1
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग					
19.	1998 की 5	2.4	दोषपूर्ण समझौते की वजह से हानि	04.08.2017	4
20.	2013 की 22	4.1	जीनोमिक और एकीकृत जीव विज्ञान संस्थान द्वारा जीनोमिक अनुप्रयोग केन्द्र की स्थापना के लिए सार्वजनिक निजी साझेदारी	14.12.2017	-
21.	2013 की 29	पृथक एकल	दसवीं पंचवर्षीय योजाना के लिए वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के नेटवर्क परियोजनाएं	15.12.2017	-
22.	2015 की 30	4.1	नई सहस्राब्दी भारतीय प्रौद्योगिकी नेतृत्व पहल योजना	22.09.2017	3
23.	2016 की 12	4.1	बी.एस.एल.-3 सुविधा की खरीद पर निष्फल व्यय	12.04.2017	8

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	ए.टी.एन. पर पुनरीक्षण प्रतिक्रियाओं की तिथि	संशोधित ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
24.	2017 की 17	5.3	स्वाचालित दृश्य सीमा निर्धारक प्रणाली का गैर-संचालन	14.11.2017	1
अंतरिक्ष विभाग					
25.	2016 की 12	5.4	उपकरण के विलंबित अधिष्ठापन के कारण हुई हानि	10.08.2017	4
26.	2017 की 17	6.1	वीसैट सेवाओं का प्रबंधन	30.11.2017	1
27.	2017 की 17	6.2	पूर्व-परियोजना गतिविधियों पर अनियमित व्यय	13.11.2017	1
28.	2017 की 17	6.3	व्यवसायक अंतरिक्ष यान की सुपुर्दगी में वित्तीय विवेक की कमी तथा अनुचित अनुबंध प्रबंधन	13.11.2017	1
29.	2017 की 17	6.4	पारिस्थितिक भंगुर भूमि की खरीद में निष्फल व्यय	13.11.2017	1
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय					
30.	2013 की 22	8.1	पेंशन योजना की अनियमित शुरूआत तथा धनराशि का परिवर्तन	26.10.2017	2
31.	2014 की 27	5.2	ग्रेच्युटि का अनियमित भुगतान	31.07.2017	5
32.	2015 की 30	6.1	निष्क्रिय वेबसाइट के कारण निष्फल व्यय	20.04.2017	8

क्र. सं.	प्रतिवेदन संख्या एवं वर्ष	पैराग्राफ संख्या	पैरा शीर्षक	ए.टी.एन. पर पुनरीक्षण प्रतिक्रियाओं की तिथि	संशोधित ए.टी.एन. की प्रस्तुति में विलम्ब (महीनों में)
33.	2016 की 12	6.1	विलवणीकरण संयंत्र की गैर-स्थापना और अपव्यय	23.10.2017	2
34.	2017 की 17	7.1	अनुचित अनुबंध प्रबंधन के कारण ईंधन शुल्क की गैर वसूली	13.11.2017	1
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय					
35.	2001 की 3बी	1.0	जल प्रदूषण से संबंधित पर्यावरण विधि का क्रियान्वयन	31.07.2017	5
36.	2013 की 21	पृथक एकल	भारत में प्रतिपूरक वनरोपण	03.08.2017	4
37.	2014 की 27	6.3	कार्यालय स्थान के किराए पर अपव्यय	13.09.2017	3
38.	2015 की 30	7.1	केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ई-अपशिष्ट (प्रबंधन एवं प्रहस्तन) नियम 2011 का कार्यान्वयन	13.09.2017	3
39.	2015 की 30	7.2	सीवेज उपचार की पायलट परियोजनाओं के समापन में असामान्य विलम्ब	03.08.2017	4

परिशिष्ट VII *(पैराग्राफ 3.1.2.2 के संदर्भ में)*

कः परियोजनाओं की सूची जिनमें अधिक समय लगा

	परियोजना	समापन की मूल अनुसूचित तिथि	समापन की संशोधित तिथि	समापन की वास्तविक तिथि	समय अधिकता (31 मार्च 2017 को)	अधिक समय के कारण
1.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में मुख्य शीतलन मीनार का सुधार एवं शीतलन जल वापसी शीर्ष का पुनः मार्गीकरण	मार्च 2012	जून 2012	जून 2012	तीन महीने	.....
2.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में सी.पी.पी. की इकाई-1 तथा डी.सी.एस. सामान्य इकाई का प्रतिस्थापन	मार्च 2013	दिसम्बर 2013	दिसम्बर 2013	नौ महीने	.....
3.	एच.डब्ल्यू.पी., तूतीकोरिन के संयंत्र स्थान पर भूमि अर्जन	अगस्त 2012	सितम्बर 2012	सितम्बर 2012	एक माह	मामूली देरी
4.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू तथा कोटा में सीमा दीवार का निर्माण एवं बाड़ का प्रतिस्थापन	सितम्बर 2014	मार्च 2015	मार्च 2015	छः महीने	.....
5.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में वैद्युत, यांत्रिक एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरण प्रणाली का नवीकरण/उन्नयन	मार्च 2016	मार्च 2018	.....	एक वर्ष	ई.एच.टी.सी. हेतु बार-बार पुनः निविदा प्रक्रिया तथा 6.6 के.वी. वी.सी.वी. हेतु पूर्तिकारों द्वारा दायित्व खण्ड की अस्वीकृति के कारण देरी
6.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में प्रशीतन जनन हेतु अपशिष्ट ऊष्मा/निम्न श्रेणई का उपयोग	मार्च 2016	मार्च 2019	.....	एक वर्ष	पुनः निविदा एवं आदेश जारी करने में डी.ए.ई. की अनुमति में देरी के कारण
7.	एच.डब्ल्यू.बी. (सी.ओ.) तथा एच.डब्ल्यू.पी. बड़ौदा/कोटा/मनुगुरू/तालचर/तूतीकरण में आई.टी. संरचना के साथ	मार्च 2016	मार्च 2019	.....	एक वर्ष	आई.आई.एस. अनुप्रयोग साफ्टवेयर हेतु बार-बार निविदा प्रक्रिया एव डी.ए.ई. से

	विद्यमान एकीकृत सूचना प्रणाली अनुप्रयोग का सुधार					संशोधित वित्तीय अनुमोदन प्राप्ति में देरी।
8.	एन.एच.$_3$-एच.$_2$ एवं एच.$_2$एस.-एच.$_2$ओ. विनिमय प्रक्रिया पर आधारित भारी पानी उत्पादन संयंत्र के लिए संचालक प्रशिक्षण अनुकारी सुविधा की स्थापना	फरवरी 2015	मार्च 2018	.....	दो वर्ष और एक महीना	आदेश जारी करने में डी.ए.ई. से अनुमोदन में देरी तथा कार्य की विकासात्मक प्रकृति के कारण कार्य में देरी हो रही है।
9.	एच.डब्ल्यू.पी., थाल में वैद्युत, यांत्रिक एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरण प्रणाली का नवीकरण/उन्नयन	मार्च 2015	मार्च 2018	.....	दो वर्ष	एच.पी. वाल्वों की ऊंची लागत के कारण पुनः निविदा, एंटी सर्ज नियंत्रक के विनिर्देश के अंतमिकरण में देरी
10.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में डी.सी.एस. के साथ नियंत्रण कक्ष उपकरण का प्रतिस्थापन	जून 2011	जून 2016	जून 2016	पाँच वर्ष	अपर्याप्त प्रस्तावों की प्राप्ति तथा पूर्तिकार द्वारा दायित्व खण्ड की अस्वीकृति के कारण तीन बार निविदा प्रक्रिया की गई। क्रय आदेश जारी करने तथा संशोधित अनुमोदन लागत के लिए प्रस्ताव 06.09.2013 को डी.ए.ई. को भेजे गए। इनकी संस्वीकृति डी.ए.ई. से 29.03.2014 को प्राप्त हुई। तदनुसार, क्रय आदेश जारी करने तथा कार्य समापन की अनुसूची में देरी हुई। क्रय आदेश, जिसे सितम्बर 2013 में जारी करना अपेक्षित

					था, 30.03.2013 को जारी किया गया। क्रय आदेश जारी करने में देरी के कारण, एक्स.यू.-I की शुरू करने की अनुसूचित तिथि मार्च 2014 से आगे करके मार्च 2015 तथा उपयोगिताओं के साथ एक्स.यू.-II की तिथि मार्च 2015 से मार्च 2016 की गई क्योंकि यह संयंत्र के योजनाबद्ध बंद करने पर निर्भर था। इस कारण, समापन की अनुसूची में लगभग एक वर्ष की देरी हुई है।
11.	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में एच.$_2$एस. निगरानी सुविधा तथा पर्यावरण सर्वेक्षण सुविधा का विस्तार	मार्च 2016	मार्च 2017	मार्च 2017	एक वर्ष	केबल इत्यादि के लिए केस फाइल की पुनः निविदा के कारण परियोजना में देरी हुई।
12.	सी.पी.पी. में ऊर्जा कुशल प्रणाली/घटक/उपकरण इत्यादि शामिल करके सुधार	मार्च 2016	मार्च 2017	मार्च 2017	एक वर्ष	पार्टी द्वारा पीछे हटने के कारण टरबाइन सुधार कार्य के कार्यान्वयन में देरी से परियोजना के कार्यान्वयन में देरी हुई।
13.	एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में विद्यमान न्यूमैटिक उपकरणों का इलेक्टोनिक उपकरणों से प्रतिस्थापन तथा डी.सी.एस. पी.एल.सी. प्रणाली से संयोजन	दिसम्बर 2009	मार्च 2014	मार्च 2014	चार वर्ष और तीन महीना	डी.सी.एस. प्रतिस्थापन का चरण-I अर्थात् एक्स.यू. एवं डी.यू. शुरू करने का कार्य फरवरी 2010

						तक पूरा हुआ। प्रणाली की आपूर्ति तथा संयंत्र के सुरक्षित एवं सुगम संचालन हेतु प्रणाली के निष्पादन से संबंधित आगे विकास देरी के कारण थे।
14.	एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में एच.ई.डब्ल्यू.ए.सी. सुविधा से ट्रीशिएटेड ड्यूटेरियम उत्पाद के लिए ऑक्सीडेशन प्रणाली	जुलाई 2012	जुलाई 2013	जुलाई 2013	एक वर्ष	कार्य की विकासात्मक प्रकृति तथा अभियांत्रिकी दस्तावेजों के अनुमोदन में देरी के कारण
15.	ए.पी.ई.आर.सी. की अनिवार्य आवश्यकता को पूरा करने के लिए एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में सौर पी.वी. ऊर्जा संयंत्र की स्थापना	मई 2014	जनवरी 2016	जनवरी 2016	एक वर्ष और आठ महीना	भारी वर्षा, तेलंगाना पृथकता आंदोलन तथा तेलंगाना राज्य विद्युत बोर्ड से समाशोधन मिलने में देरी के कारण
16.	भारी पानी संयंत्र, कोटा एवं मनुगुरू में भारी पानी हेतु अतिरिक्त भंडारण आवश्यकता	मार्च 2013	मार्च 2014	मार्च 2014	एक वर्ष	टंकियों की आपूर्ति में देरी तथा क्रेन की अनुपलब्धता के कारण निर्माण में देरी
17.	माइक्रोप्रोसेसर आधारित प्रणाली के साथ ई.एस.पी. आंतरिक (आठ क्षेत्र) तथा ई.एस.पी. नियंत्रकों की वृहद मरम्मत/प्रतिस्थापन	मार्च 2012	मार्च 2014	मार्च 2014	दो वर्ष	संयंत्र के वृहद परिवर्तन के दौरान सुधार कार्यों के मिलान के कारण देरी हुई थी।
18.	एच.डब्ल्यू.पी. बड़ौदा में अग्रिम अ-घातक जांच तथा दशा निगरानी सुविधा	मार्च 2016	मार्च 2017	मार्च 2017	एक वर्ष	क्रय में कुछ मदों की आपूर्ति पर प्रतिबंध के कारण दरी हुई।
19.	एच.डब्ल्यू.पी., कोटा तथा टी.डी.पी., चेम्बूर सोडियम सल्फेट के प्रबंधन हेतु कुशल प्रक्रिया का विकास एवं कार्यान्वयन	सितम्बर 2015	मार्च 2019	.....	एक वर्ष और छः महीना	अपर्याप्त तथा तकनीकी रूप से अस्वीकार्य प्रस्तावों के कारण सोडियम सल्फेट की पत्रावली

					की पुनः निविदा की गई।
20. नए भारी पानी उत्पादन सुविधा हेतु परियोजना पूर्व गतिविधियां	अक्टूबर 2014	मार्च 2019	.....	दो वर्ष और पांच महीना	अमोनिया तथा सल्फाइड आधारित भारी पानी संयंत्र के डी.पी.आर. तैयारी के लिए परामर्शी संविदा जारी करने हेतु डी.ए.ई. अनुमोदन में देरी के कारण
21. एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में वी.सी.वी. चरण-1 पर 6.6 के.वी. तथा 33 के.वी. एम.ओ.सी.बी. स्थापन	मार्च 2012	मार्च 2014	मई 2014	दो वर्ष और दो महीना	निविदा के दौरान कम प्रतिक्रिया के कारण देरी
22. एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में एच.डब्ल्यू.पी. के लिए द्वि-डिस्क गेट वाल्व का क्रय	मार्च 2012	मई 2014	मई 2014	दो वर्ष और दो महीना	स्थल से नमूना वाल्व देकर स्थानीय पूर्तिकार द्वारा वाल्व के देशीय विकास में समय लगा।
23. एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू के तृतीय चरण ऊष्ण मीनार में धातु पत्रक संरचित पैकिंग की स्थापना	मार्च 2011	अगस्त 2013	अगस्त 2013	दो वर्ष और पांच महीना	शीतल मीनार में संरचित पैकिंग के निष्पादन के आधार पर ऊष्ण मीनार हेतु पैकिंग खरीदी गई और स्थापित की गई। डी.पी.एस. एवं पूर्तिकर्ता के बीच कर विवाद सुलझाने में देरी थी।
24. एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में एच.डब्ल्यू.पी. के लिए द्वि-डिस्क गेट वाल्व का क्रय	दिसम्बर 2011	मई 2014	मई 2014	दो वर्ष और पांच महीना	स्थल से नमूना वाल्व देकर स्थानीय पूर्तिकार द्वारा वाल्व के देशीय विकास में समय लगा।
25. एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में डी.जी. सैट का प्रतिस्थापन	मार्च 2012	अक्टूबर 2013	मार्च 2014	दो वर्ष	डी.जी. सेट पूर्तिकर्ता से स्पष्टीकरण प्राप्ति में देरी के कारण

					आदेश जारी करने में देरी के कारण
26. एच.डब्ल्यू.पी., बड़ौदा में टी.बी.पी. संयंत्र हेतु अपशिष्ट शोधन संयंत्र	मार्च 2012	मार्च 2013	मार्च 2013	एक वर्ष	परियोजना की विकासात्मक प्रकृति के कारण क्योंकि इस प्रकार का अपशिष्ट दूसरे स्थानों पर उपलब्ध नहीं है।
27. आर.आर.सी.ए.टी., बड़ौदा के सहयोग से हाइड्रोजन और पानी को शामिल करके आइसोटोपिक विनिमय प्रतिक्रिया हेतु औद्योगिक उपयुक्त आर्द्र निरोधी कैटालिस्ट का विकास	फरवरी 2010	मार्च 2013	मार्च 2013	तीन वर्ष और एक महीना	बाजार में पर्यावरणीय परिवीक्षकों की अनुपलब्धता के कारण तकनीकी विनिर्देशों को स्थायित्व देने में देरी
28. एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में आग/सुरक्षा उपाय/शमन उपाय की वृद्धि	मार्च 2016	दिसम्बर 2018	.....	एक वर्ष	योजना को पुनः अनुकूलित किया गया तथा संशोधित अनुमान तैयार किए गए। प्रशासनिक संस्वीकृति 12.02.2015 को प्राप्त हुई जिसके बाद क्रय की कार्यवाही शुरू की गई। इसके बाद, पाईप तथा पाईप फिटिंग्स की पूर्ति में देरी के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है।
29. दुर्लभ सामग्री के उत्पादन हेतु परियोजना गतिविधियां	मार्च 2010	लगातार		सात वर्ष	मुख्य परियोजना के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में देरी है। परियोजना-पूर्व गतिविधियों के तहत आने वाली गतिविधियों में देरी हुई। प्रस्तावित स्थल पर भूमि के उपयुक्त

					प्लाट की पहचान के कारण विभिन्न दस्तावेजों जैसे डी.पी.आर., ई.आई.ए., भू-तकनीकी अध्ययन इत्यादि की तैयारी में देरी हुई। पर्यावरणीय मंजूरी में देरी हुई क्योंकि प्रदूषण के गंभीर स्तर के कारण प्रस्तावित साइट स्थानों में से एक पर रोक थी। पर्यावरणीय मंजूरी लेने में देरी के कारण विभिन्न प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को सहमति प्रार्थना में देरी हुई।

खः परियोजनाओं की सूची जिनमें अधिक लागत लगी

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	**परियोजना नाम**	**मूल संस्वीकृत लागत**	**संशोधित लागत**	**लागत आधिक्य**	**लागत आधिक्य के कारण**
1	2	3	4	5 (4-3)	6
1	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में प्रशीतन जनन हेतु अपशिष्ट ऊष्मा/निम्न श्रेणई का उपयोग	22.00	24.60	2.60	निविदा प्रक्रिया में देरी तथा डी.ए.ई. से आवश्यक अनुमोदन मिलने में देरी के कारण
2	एच.डब्ल्यू.बी. (सी.ओ.) तथा एच.डब्ल्यू.पी. बड़ौदा/कोटा/मनुगुरू/तालचर/तूतीकरण में आई.टी. संरचना के साथ विद्यमान एकीकृत सूचना प्रणाली अनुप्रयोग का सुधार	10.00	14.00	4.00	आई.आई.एस. अनुप्रयोग साफ्टवेयर के लिए बार-बार निविदा। संशोधित वित्तीय संस्वीकृति भी डी.ए.ई. से प्रतीक्षित है।

क्र. सं.	**परियोजना नाम**	**मूल संस्वीकृत लागत**	**संशोधित लागत**	**लागत आधिक्य**	**लागत आधिक्य के कारण**
1	2	3	4	5 (4-3)	6
3	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू में डी.सी.एस. के साथ नियंत्रण कक्ष उपकरण का प्रतिस्थापन	12.00	16.62	4.62	अपर्याप्त प्रस्तावों की प्राप्ति तथा पूर्तिकार द्वारा दायित्व खण्ड की अस्वीकृति के कारण तीन बार निविदा प्रक्रिया की गई।
4	एच.डब्ल्यू.पी., मनुगुरू के तृतीय चरण ऊष्ण मीनार में धातु पत्रक संरचित पैकिंग की स्थापना	3.10	3.51	0.41	डी.पी.एस. एवं पूर्तिकर्ता के बीच कर विवाद सुलझाने में देरी थी।
5	एच.डब्ल्यू.पी., कोटा में डी.जी. सैट का प्रतिस्थापन	1.81	2.50	0.69	डी.जी. सेट पूर्तिकर्ता से स्पष्टीकरण प्राप्ति में देरी के कारण आदेश जारी करने में देरी के कारण
	कुल	**48.91**	**61.23**	**12.32**	

परिशिष्ट VIII *(पैराग्राफ 4.1.2.1 के संदर्भ में)*

जैव-संसाधन उद्यान की स्थापना में समितियों के सुझाव पर आई.बी.एस.डी. द्वारा की गई कार्रवाई

समिति की बैठक	एस.ए.सी./जी.सी. द्वारा पहल का सुझाव	आई.बी.एस.डी. द्वारा की गई कार्रवाई
एस.ए.सी. की 10वीं बैठक जनवरी 2011	उद्यान में बटरफ्लाई जोन हेतु पौधों के क्षेत्र का निर्धारण करना	कोई भी क्षेत्र निर्धारित नहीं किया गया है।
	क्षेत्र के (क) जिंगबेरियासी', (ख) 'केले', (ग) साइट्रस, (घ) 'छोटे फलों के पेड़, (ङ) 'ईंधन लकड़ी' पेड़, (च) 'कीटनाशक तथा परजीवी पौधे', (छ) 'रेशम उत्पादन पौधे और (ज) अन्य उपयोगी स्थानिक पौधों के जर्मप्लाज्म संरक्षिका बनाने हेतु	केवल जिंगबेरियासी, साइट्रस और ऑर्किड के जर्मप्लाज्म संरक्षिका आंशिक रूप से सृजित किए गए
एस.ए.सी. की 13वीं बैठक अगस्त 2013	"मणिपुर में सिग्नेचर उद्यान/थीम पार्क" विकसित करना जो (i) जलीय पौधे, (ii) स्वदेशी डाई-उपज देने वाले पौधे, (iii) टैनिन उपज संयंत्र, (iv) जहरीले पौधे, (v) खाद्य कीड़े और (vi) स्वदेशी मछलियों के संग्रह वाले 'मणिपुर ट्राईवल प्लांट्स संरक्षिका' के रूप में कार्य कर सके।	विकसित नहीं की गई
	(i) 'अदरक', (ii) 'कैप्सिकम से ऑलिओरिसिन' और (iii) 'खुशबूदार फसलों से सुगंधित तेल निष्कर्षण' पर पैदावार के बाद प्रदर्शनी सुविधा विकसित करना	विकसित नहीं की गई
	संस्थान के शो-पीस या विंडो के रूप में विकसित किया जाना	कार्य की समीक्षा अभी भी की जानी थी।
जी.सी. की 12वीं बैठक नवंबर 2012	क्षेत्र में जैव-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए उद्यान में जैव-संसाधन आधारित उद्यम का सृजन करना	कार्य प्रारंभिक चरण पर था।
एस.ए.सी. की 15वीं बैठक अगस्त 2015	पार्क में एक अत्याधुनिक ऑर्चिडारियम का सृजन करना	निविदाएं जारी की गई थी और प्रक्रिया चालू थी।

समिति की बैठक	एस.ए.सी./जी.सी. द्वारा पहल का सुझाव	आई.बी.एस.डी. द्वारा की गई कार्रवाई
जी.सी. की 15वीं बैठक अक्टूबर 2015	उद्यान में प्रसंस्करण सुविधाओं के साथ कुछ सुगन्धित फसलों जैसे पाचौली, जीरैमियम और वीटिवर इत्यादि की संख्या में वृद्धि करने हेतु सुविधाओं का सृजन करना	कार्य प्रारंभिक चरण पर था।
	उपलब्ध संसाधनों को महत्वपूर्ण संवर्धन प्रदान करने के लिए उद्यान में एक नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेशन लैबोरेटरीज (एन.ए.बी.एल.) सृजित करना	ऐसी कोई सुविधा सृजित नहीं की गई थी।

परिशिष्ट IX *(पैराग्राफ 4.1.2.5 के संदर्भ में)*

विकसित लेकिन उद्योग को हस्तांतरित नहीं हो पाई तकनीकों का विवरण

प्रभाग	विकसित उत्पाद/प्रौद्योगिकी	विकास का वर्ष
पशु संसाधन	**1.** ओस्टियोब्रामबैलेनेजेरी की प्रजनन और बीज उत्पादन तकनीक (रे फिन्ड मछली की प्रजातियां)	2009-10
वनस्पति संसाधन	**2.** एंटी-आर्थराइटिक फॉर्मूलेशन	2015
	3. वैलेरिअनाजटममैंसी के औसत समुद्र तल से 800 मीटर ऊपर नीश पर्यावरण में से नर्सरी एग्रो-तकनीकों का अनुकूलन इष्टतम बुवाई समय, विभिन्न बेड प्रकारों में बुवाई/उत्थान तथा माध्यमों के प्रबंध के विशेष संदर्भ सहित	2015-16
	4. प्रति यूनिट क्षेत्र में वनस्पति घनत्व हेतु वैलेरिनाजटमैंसी के लिए औसत समुद्र तल से 800 मीटर ऊपर नीश पर्यावरण में से एग्रो-तकनीकों	2015-16
माइक्रोबियल संसाधन	**5.** सक्रिय स्टार्टर संस्कृति का प्रयोग करके किण्वित सोयाबीन उत्पादन के लिए प्रक्रिया और उत्पाद	2008
	6. चयनित स्टार्टर संस्कृति कंसोर्टियम का उपयोग करके किण्वित बांस शूट उत्पादन के प्रक्रिया और उत्पाद	2011
	7. बैसिलस सब्टिलिस उत्पादन से फाइब्रिनॉलिटिक एंजाइम	2011
	8. बीज से उत्पन्न होने वाले कवक रोगाणुओं के नियंत्रण और देशी ट्रिचोडर्मा विराइड का उपयोग करके पौधे की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म जैव-कीटनाशकों का विकास।	2016

परिशिष्ट X *(पैराग्राफ 4.1.2.5 के संदर्भ में)*

आई.बी.एस.डी. द्वारा दायर किए गए लेकिन स्वीकृत नहीं किए गए पेटेंट का विवरण

प्रभाग	पेटेंट शीर्षक	पेटेंट दायर करने का वर्ष
वनस्पति संसाधन	**1.** तीखे मिर्च की निकासी से गैर-तीखा रंगद्रव्य, कॉस्मेटिक और त्वचा संबंधी उत्पादों के उपयोग	2016
	2. कैप्सिकम एसपीपी के तीखे फलों से यूएसपी ग्रेड, कैप्सिसीन के अलगाव और शुद्धिकरण के लिए एक बेहतर पद्धति	2014
पशु संसाधन	**3.** एक बायोफ्यूमिनेन्ट जिसमें 2-मिथाईल टेट्राहाइड्रो-3-फ्यूरोनोन शामिल हैं	2014

परिशिष्ट XI *(पैराग्राफ 4.1.2.5 के संदर्भ में)*

उत्पादन और प्रौद्योगिकी के विकास पर एस.ए.सी. की सिफारिशों के परिणाम

प्रभाग	एस.ए.सी. द्वारा सुझाव	लेखापरीक्षा टिप्पणी
वनस्पति जैव-संसधान	एस.ए.सी. ने 9वीं बैठक (अप्रैल 2009) में अपने वाणिज्यिक संभावना को देखते हुए साइट्रस के छिलके के तेल पर प्रौद्योगिकी उत्पादन के लिए शोध कार्य करने का सुझाव दिया।	तकनीक अभी भी विकसित की जानी थी और निष्कर्षण केवल प्रयोगशाला स्तर पर किया गया था।
	एस.ए.सी. ने 13वीं बैठक (सितम्बर 2013) में अच्छे औद्योगिक मांग के साथ एन.ई.आर. में उपलब्ध कैप्सिकम की संभ्रात विविधता के संसाधन आधार का सृजन करने और किंग चिल्ली से कैप्सियाकीनोइड्स और कैप्सैसिइन के निष्कर्षण हेतु प्रक्रिया विकसित करने का सुझाव दिया।.	आई.बी.एस.डी., पहाड़ी इलाके और परिवहन समस्या, स्थानीय भाषा, कानून और व्यवस्था की समस्या और उपयुक्त जनशक्ति की अनुपलब्धता के कारण एन.ई.आर. की संभ्रांत विविधता के कैप्सिकम के संसाधन आधार का सृजन नहीं सका और यद्यपि किंग चिल्ली से कैप्सौसिनोइडस और कैप्सियासीन के निष्कर्षण के लिए प्रक्रिया और प्रयोगशाला स्तर पर विकसित और मानकीकृत की गई थी तथापि उसका पायलट प्लांट वैलिडेशन नहीं किया गया था।
	एस.ए.सी. ने 13वीं बैठक (सितम्बर 2013) में बाजार मूल्य प्राप्त करने के लिए और एक अदरक सजावटी फूल को आई.बी.एस.डी. के एक उत्पाद के रूप में रिलीज करने और एक वर्ष के भीतर बाजार में कम से कम 1,000 पौधों को डालकर सजावटी अदरक 'ग्लोब्बस्प' के फूलदान के जीवन को निर्धारित करने का सुझाव दिया।	इस पर की गई कार्रवाई की सूचना देने के लिए पूछे जाने पर आई.बी.एस.डी. ने कोई टिप्पणी नहीं की।.
पशु जैव-संसाधन	जनवरी, 2011 में एस.ए.सी. (10वीं बैठक) ने स्थानीय केंचुए के साथ अस्थानीय केंचुए के बीच पारस्परिक रूप से क्रासब्रीड के लिए सुझाव दिया।	इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।
	सितम्बर 2014 में, एस.ए.सी. (14वीं बैठक) नें व्यवसायिक मूल्य बढ़ाने के लिए किण्वित मछली जैसे नगरी, साइडर पर आउटरीच कार्यक्रम करने का और अढ़य समुदायों के बीच किण्वित भोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए क्लिनिक्ल परीक्षण कर	नगरी किण्वन पर माइक्रोबियल गतिशीलता पर अध्ययन दो स्वदेशी नगरी उत्पादकों और स्टार्टर कल्चर से किया गया लेकिन सीमित मानव शक्ति के

प्रभाग	एस.ए.सी. द्वारा सुझाव	लेखापरीक्षा टिप्पणी
	स्वास्थ्य टैग देने के लिए अच्छे टेक्नोलॉजिस्ट और इजीनियरों का समर्थन प्राप्त करने का सुझाव दिया।	कारण साइडर पर कोई अध्ययन नहीं किया गया और साथ ही कोई स्वास्थ्य टैग नहीं किया गया और इस तरह की प्रक्रिया और उत्पादों को विकसित पूर्ण नहीं किया गया।
माईक्रोबीयल जैव-संसाधन	जून 2008 में, एस.ए.सी. (8वीं बैठक) ने बेहतर लाभ के लिए गोभी से किण्वित खाद्य उत्पाद विकसित करने का सुझाव दिया।.	इस पर कोई कार्य नहीं किया गया।
	अप्रैल 2009 में, एस.ए.सी. (9वीं बैठक) नें मैंडरिन ऑरेंज जैविक खेती के लिए जैव उर्वरक विकसित करने के सुझाव दिया।	इस पर की गई कार्रवाई को बताने के लिए कहा गया लेकिन आई.बी.एस.डी. ने कोई टिप्पणी नहीं की।
	अप्रैल 2012 में एस.ए.सी. (12 वीं बैठक) द्वारा सुझाव दिया गया था कि बीजीए संग्रहों से निकाली गई उपयोगी उत्पादों का विकास किया जाए।	कार्रवाई की गई रिपोर्ट में आई.बी.एस.डी. ने कहा कि वाणिज्यिक शोषण के लिए कुछ साइनोबैक्टीरिया की पहचान की गई क्योंकि उपभेद वाणिज्यिक स्तर के उपभेदों के बराबर पाया गया था। हालांकि कोई उत्पाद विकसित नहीं किया गया है।
	अप्रैल 2012 में एस.ए.सी. (12 वीं बैठक) ने स्वच्छता, किण्वन प्रौद्योगिकी, बड़े पैमाने पर उत्पादन और खाद्य पैकेजिंग में सुधार के जरिए एन.ई.आर. के किण्वित भोजन के राष्ट्रीय फूड बास्केट में प्रमाणिक स्वास्थ्य लाभों में अनुवाद करने का सुझाव दिया	माइक्रोबियल संसाधनों पर से जुड़े किण्वित सोयाबिन (हवाईजर), किण्वित बांस शूट (सोईबम), किण्वित मछली (नगरी), और चावल की शराब (अथिंगबा) पर गहराई से अध्ययन किया गया था हालांकि चूँकि रासायनिक संरचना विश्लेषण और स्वास्थ्य टैगिंग के पहलुओं में प्रक्रिया एवं उत्पाद अपूर्ण थें, इसलिए अंतिम अत्पाद/प्रौद्योगिकी अभी भी विकसित किया जाना है।
	नवम्बर 2006 में सोसाईटी (6वें बैठक) में आई.बी.एस.डी. को संस्थान अनुसंधान के प्राथमिक क्षेत्रों में से एक के रूप में जैव ईंधन पर अनुसंधान कार्य लेने की सलाह दी। इसके अलावा, सितंबर 2016 में गवर्निंग काउंसिल (17 वीं बैठक) में	यह काम प्रारंभिक चरण में है और मार्च 2017 तक कोई भी उत्पाद विकसित नहीं किया गया हैं।

प्रभाग	एस.ए.सी. द्वारा सुझाव	लेखापरीक्षा टिप्पणी
	बायोमास/अपशिष्ट उर्जा को अन्य में से अनुसंधान कार्यक्रम लेने का सुझाव दिया।	
	अक्टूबर 2006 में एस.ए.सी. (5वीं बैठक) ने उच्च मूल्य वाले प्राकृतिक रंजकों और प्रोटीनों जैसे फाईकोसायनिन और फाईकोयरेथ्रिन के लिए सिनोबैक्टीरिया का जैव-प्रतिरोधन करने का सुझाव दिया।	आई.बी.एस.डी. के पास उपलब्ध कार्रवाई की जाने का रिकार्ड आई.बी.एस.डी. के पास उपलब्ध नहीं था।
	सितंबर 2007 में एस.ए.सी. (7वें बैठक) ने सूक्ष्म शैवाल की विविधता में एक अनुसंधान कार्यक्रम के लिए सुझाव दिया था क्योंकि इसमें बायोडीजल और जैव ईंधन का संभावित स्रोत था।	इस शोध कार्यक्रम से कोई उत्पाद विकसित नहीं किया गया है क्योंकि सौपे गए सूक्ष्म-एल्गेल कल्चर्स के निर्धारित वैज्ञानिक ने संस्था छोड़ दिया।

परिशिष्ट XII *(पैराग्राफ 6.2.1 के संदर्भ में)*

लेखापरीक्षा के लिए चयनित सी.एस.आई.आर. प्रयोगशालाओं के ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना परियोजनाओं की सूची

परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	परियोजना की अनुमोदित राशि (₹ करोड़ में)	वास्तविक व्यय (₹ करोड़ में)
1. एयरोस्पेस विज्ञान में ज्ञानआधार की बढ़ोतरी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का विकास (एस.आई.पी. - 01)	राष्ट्रीय वांतरीक्ष प्रयोगशाला (एन.ए.एल.), बंगलुरु	99.67	85.14
2. परजीवी रोगों और माइक्रोबियल संक्रमण के लिए नई औषध विकास कार्यक्रम (एस.आई.पी. 26)	केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सी.डी.आर.आई.), लखनऊ	29.88	26.80
3. मधुमेह मेलिटस - नई औषध खोज, आर. एंड डी., आणविक तंत्र एवं आनुवांशिक कारक (एन.डब्ल्यू.पी. 32)		33.78	33.49
4. नई दवाओं के मूल्यांकन के लिए पहचान किए गए मॉडलों का मान्यकरण और नए वैकल्पिक मॉडल का विकास (एन.डब्ल्यू.पी. 34)		18.50	18.42
5. चयनित रोगजनकों के लिए लक्षित औषध की पहचान और मान्यता (एन.डब्ल्यू.पी. 38)		16.50	15.94
6. मौसमविज्ञान में उन्नति (एन.डब्ल्यू.पी.-45)	राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (एन.पी.एल.), नई दिल्ली	136.81	135.73
7. फोटोवोल्टाईक और अन्य उर्जा अनुप्रयोगों पर आर एंड डी (एस.आई.पी. - 17)		15.00	14.63
8. ठोस अवस्था प्रकाशीय विद्युत अनुप्रयोगों के लिए एल.ई.डी. उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण (एन.डब्ल्यू.पी. - 25)		47.88	47.59
9. तरल और गैस विच्छेद से जुड़ी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सिरेमिक सामग्री (एस.आई.पी. - 23)	केंद्रीय कांच एवं सिरेमिक अनुसंधान संस्थान (सी.जी.सी.आर.आई.), कोलकाता	21.33	20.59
10. गैर-ऑक्साइड सिरामिक आधारित उन्नत संरचनात्मक सामग्रीः आर्मस और रीफ्रैक्टरीज (एन.डब्ल्यू.पी. - 29)		14.50	13.19
11. संचार, सेंसर एवं लेजर प्रौद्योगिकी के लिए फोटोनिक्स (एन.डब्ल्यू.पी. - 26)		19.99	19.77

परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	परियोजना की अनुमोदित राशि (₹ करोड़ में)	वास्तविक व्यय (₹ करोड़ में)
12. रोग में मिटोकोन्ड्रियल दोष मूल्यांकन एवं सुधार (एस.आई.पी. - 07)	भारतीय रसायन विज्ञान संस्थान, (आई.आई.सी.बी.), जाधवपुर	16.50	16.50
13. नई पीढ़ी उपचार के लिए अभियांत्रिकी पेप्टाइड्स और प्रोटीन (एन.डब्ल्यू.पी. - 005)		10.34	9.72
14. एलर्जी ब्रोन्कियल अस्थमा और जीर्ण अवरोधक फेफड़ा रोग के लिए निदान और लक्ष्य आधारिक आणविक दवाओं का विकास। (एन.डब्ल्यू.पी. - 33)		19.80	19.80
15. कैंसर जीवविज्ञान में आणविक दवा पर आधारित लक्ष्य का विकास एवं नोबल लक्ष्यों की पहचान में नई अंतर्दृष्टि (आई.ए.पी.-01)		9.27*	9.24*
16. विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए विशेष अकार्बनिक सामग्री का विकास (एन.डब्ल्यू.पी. - 10)	केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, (सी.एस.एम.सी.आर.आई.), भावनगर	20.00	19.14
17. भारतीय तट के साथ समुद्री जैव विविधता का मानचित्रण (एन.डब्ल्यू.पी. - 18)		9.00	8.25
18. जल कीटाणुशोधन/शुद्धिकरण और अपशिष्ट जल सुधार के लिए खोखले फाइबर झिल्ली प्रौद्योगिकी का विकास (एन.डब्ल्यू.पी. - 47)		12.00	9.92
19. भारत के आसपास के पानी के लिए पूर्वानुमान प्रणाली के विकास हेतु विज्ञान (एस.आई.पी. - 13)	राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, (एन.आई.ओ.), गोवा	72.45	66.02
20. वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के समुद्री क्षेत्र के उच्च-पोषक तत्व-न्यून क्लोरोफिल (एच.एन.एल.सी.) का लौह के साथ निषेचन		15.00	15.00
21. ईंधन, स्नेहक और योजक को बायोमास का पर्यावरण के अनुकूल रुपांतरण एवं उपयोग के लिए तकनीक जानकारी और प्रौद्योगिकी विकसित करना (एस.आई.पी. - 19)	भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आई.आई.पी.), देहरादून	35.00	31.63
22. मानव जटिल विकारों के लिए जीनोटाइप-फेनोटाइप सहसंबंध के गूढ़ रहस्य में एक एकीकृत जीवविज्ञान दृष्टिकोण (एस.आई.पी. - 06)	जीनोमिक्स एवं एकीकृत जीव विज्ञान संस्थान (आई.जी.आई.बी.), नई दिल्ली	14.50	14.27

परियोजना का नाम	संस्थान का नाम	परियोजना की अनुमोदित राशि (₹ करोड़ में)	वास्तविक व्यय (₹ करोड़ में)
23. एन.सी.एल.-आई.जी.आई.बी. संयुक्त अनुसंधान पहलः जीव विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान के इंटरफेसिंग (एन.डब्ल्यू.पी. - 13)		21.50	21.50
24. मानव जीनोम में गैर-कोडिंग आर.एन.ए. की जीनोमिक्स और जीव विज्ञान का अध्ययन (एन.डब्ल्यू.पी. - 36)		38.00	35.39
25. प्लाज्मा प्रोटिओमिक्स स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं रोग (एन.डब्ल्यू.पी. - 04)	कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केन्द्र (सी.सी.एम.बी.), हैदराबाद	33.61	33.61
26. स्वास्थ्य और रोग में नैनो पदार्थ एवं नैनोउपकरण (एन.डब्ल्यू.पी. - 35)		38.75	35.38
27. लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए परियोजना (आई.ए.पी. - 02)		16.94	15.38
कुल		**836.50**	**792.04**

*केवल आई.आई.सी.बी. के संबंध में आंकड़ें। कुल व्यय मुहैया नहीं कराया गया।

परिशिष्ट XIII *(पैराग्राफ 7.1.2.2 के संदर्भ में)*

नाविक के अंतर्गत खरीद/ कार्य अनुबंध में हुई देरी का विवरण

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
		आई.आर.सी.डी.आर. कार्य					
1.	01-07-2006/29-11-2010/02-05-2011/15-01-2012/22-02-2013/ इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./जोधपुर/1060/11758 (₹ 1.59 करोड़)	जोधपुर में आई.आर.आई.एम.एस./ आई.आर.सी.डी.आर. बिल्डिंग का निर्माण (सिविल, पी.एच., इलैक्ट्रिकल तथा ऐ.सी. कार्य) (इसट्रैक)	53.73	2.13	13.47	69.33	इसरो द्वारा कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। जोधपुर के कार्यों के क्रियान्वयन में देरी की वजह (i) स्थल को सौंपने में देरी (ii) साइज स्टोन मसोनरी टो दीवार का निर्माण (iii) राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रतिबन्ध के वजह से रेत की गैर उपलब्धता (iv) ईमारत के निर्मित फर्श स्तर तथा निर्मित भूतल स्तर को उठाना (v) 200 के.वी.ए. ट्रांसफार्मर की आपूर्ति और प्रतिष्ठापन में देरी थी।
2.	01-07-2006/13-10-2010/10-02-2011/23-08-2011/30-04-2013 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./एन.ई.-एस.ए.सी./टी.एन.-06/डब्ल्यू.ओ.-09/2010-11/11423 (₹ 76.94 लाख)	एन.ई.-सैक, युमियम मेघालय (इसट्रैक) में आई.आर.सी.डी.आर. सुविधा बिल्डिंग का निर्माण (सिविल, पी.एच., इलैक्ट्रिकल तथा एयर कंडीशनिंग कार्य)	52.17	1	20.53	73.70	इसरो द्वारा कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। मेघालय के कार्यों के क्रियान्वयन चरण में देरी की वजह (i) पेड़ों को काटने में देरी (ii) सम्प आर.सी.सी. रिटेनिंग दीवार का निर्माण (iii) तीन

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
							कॉलमों को रोक कर रखना (iv) शीतल वातावरण की परिस्थितियाँ (v) श्रम की गैर-उपलब्धता (vi) भारी वर्षा और अतिरिक्त कार्य थी।
* सिविल कार्यों को अविलम्ब पूरा किया जाना था क्योंकि बिल्डिंग में आई.आर.सी.डी.आर. उपकरण/उपभोज्यों को रखना था। इसलिए, डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति के बाद तुरंत आर.एफ.पी. की प्राप्ति होनी चाहिए थी।							
		आई.आर.सी.डी.आर. क्रय					
3.	30-06-2007/16-07-2008/25-02-2009/31-03-2010/03-02-2013 20080002150101 (₹ 13.40 करोड़)	11 एम फुल मोशन एंटिना प्रणाली (इसट्रैक)	12.73	4.47	34.67	51.57	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय क्रियान्वयन में देरी की वजह (i) भारी वर्षा ने स्थल तक पहुँच पर बाधा उत्पन्न की क्योंकि वे दूरवर्ती स्थित थे (ii) श्रम की समस्या (iii) कानून एवं व्यवस्था की समस्या, इत्यादि थी।
4.	30-06-2007/14-06-2007/21-02-2008/09-06-2008/03-02-2009 20070005600101 (₹ 1.80 करोड़)	एस.ए.टी.आर.ई. मोडम उपग्रह समय व रैंजिंग उपकरण (सैक)	--	5.40	7.97	13.37	इसरो द्वारा क्रय योजना तथा क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
5.	30-06-2007/28-12-2015/19-08-2016/18-10-2016/21-02-2017 2015E006970101 (₹ 3.70 करोड़)	आई.आर.सी.डी.आर. स्टेशन (इसट्रैक) हेतु टू-वे सी.डी.एम.ए. रैंजिंग मोडम	103.43	4.83	4.20	112.46	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय के क्रियान्वयन में हुई एक महीने की देरी इसट्रैक द्वारा साख पत्र देरी से जारी करने के कारण से

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
							थी। तथापि, देरी की शेष अवधि से सम्बंधित कारणों को इसरो द्वारा अभिलिखित नहीं किया गया था।
6.	30-06-2007/03-04-2009/07-12-2009/18-05-2010/27-04-2010 20090000080101 (₹ 2.40 करोड़)	5071ए उच्च निष्पादन सीजियम स्तर (घड़ियाँ) (इसट्रैक)	21.43	5.27	--	26.70	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
7.	30-06-2007/16-07-2008/25-02-2009/31-12-2011/03-02-2013 20080002150102 (₹ 3.10 करोड़)	11एम फुलमोशन एंटिना प्रणाली (इसट्रैक)	12.73	4.47	13.33	30.53	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय क्रियान्वयन में देरी की वजह (i) भारी वर्षा ने स्थल तक पहुँच पर बाधा उत्पन्न की क्योंकि वे दूरवर्ती स्थित थे (ii) श्रम की समस्या (iii) कानून एवं व्यवस्था की समस्या, इत्यादि थी।
8.	30-06-2007/14-06-2007/25-07-2007/15-11-2007/26-02-2008 20060030830101 (₹ 60.99 लाख)	एस.टी.आर.ई. मोडेम उपग्रह समय व रैंजिंग (सैक)	--	--	3.43	3.43	क्रय क्रियान्वयन में हुई देरी के कारण पता नहीं किए जा सके क्योंकि इसरो द्वारा सम्बंधित फाइल की छटाई कर दी थी।
* आई.आर.सी.डी.आर. के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से 12 महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + नौ महीने कार्य समापन हेतु) अर्थात् जून 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था।							
आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.							
9.	30-04-2007*/17-07-2008/11-08-2009/28-06-2010/09-08-2011	आई.आर.एन.एस.एस. नेटवर्क टाइमिंग सुविधा (इसट्रैक)	14.80	10	13.57	38.37	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
	20080002160101 (₹ 8.57 करोड़)						गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी, इसरो की ओर से विभिन्न स्तरों के पूर्ण होने के पश्चात सतत प्रतिक्रिया (पी.डी.आर. और सी.डी.आर.) तथा तत्पश्चात रूप-रेखा में बदलाव की वजह से थी।
10.	31-01-2008#/17-01-2014/30-05-2016/30-07-2017/31-10-2017 को अपूर्ण 20130003310101 (₹ 17.97 करोड़)	आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.-II लखनऊ में (इसट्रैक)	72.60	25.80	3	101.40	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
* आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.-I (बयालालू) के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से 10 महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + सात महीने आई.एन.सी.-1 कार्य समापन हेतु) अर्थात अप्रैल 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था। # आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.-II (लखनऊ) के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से 19 महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + 16 महीने आई.एन.सी.-2 कार्य समापन हेतु) अर्थात जनवरी 2008 तक प्रस्तुत किया जाना था।							
उपयोगकर्ता उपकरण सिमुलेटर							
11.	01-07-2006/17-08-2011/28-06-2012/15-04-2013/22-03-2013 20110013750101 (₹ 3.57 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. सिगनल सिमुलेटर विकास (सैक)	62.43	7.53	--	69.96	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
12.	01-07-2006/13-12-2013/21-08-2014/09-07-2015/16-09-2015 2013E002980101 (₹ 1.67 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. एस.पी.एस. व जी.पी.एस. सिमुलेटर का डिजाईन एवं विकास (सैक)	90.73	5.37	2.30	98.40	इसरो द्वारा क्रय योजना एवं क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
13.	21-05-2013/ 21-05-2013/ 26-11-2013/ 23-	जी.पी.एस. सिमुलेटर की ए.एम.सी.	–	3.30	--	3.30	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
	09-2016/ 23-09-2016 20130004770101 (₹ 51 लाख)	(सैक)					अभिलिखित नहीं किया गया।
14.	01-07-2006/ 25-08-2011/ 07-02-2013/ 07-08-2013/ 23-12-2013 20110002440101 (₹ 2.53 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. उपग्रह एल 5, एस सिगनल सिमुलेटर (इसट्रैक)	62.70	14.73	4.60	82.03	इसरो द्वारा क्रय योजना एवं क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
* डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद सिविलवर्क्स के मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था।							
यूजर रिसीवर							
15.	31-08-2007/ 20-01-2012/ 25-09-2012/ 25-03-2014/ 13-10-2014 20110022590101 (₹ 4.08 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. (एस.पी.एस.)-जी.पी.एस. उपयोगकर्ता आर.एक्स.एस. रिसीवर का विकास (सैक)	53.43	5.30	6.73	65.46	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी, विक्रेता की ओर से कुछ तकनीकी पैरामीटर के पालन के कारण थी।
16.	31-08-2007/ 19-07-2012/ 15-05-2013/ 31-01-2015/ 18-07-2016 20110027370101 (₹ 6.83 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. आर.एस._जी.पी.एस. उपयोगकर्ता रिसीवर का विकास (सैक)	59.47	7	17.80	84.27	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद में हुई देरी, सैक, अहमदाबाद द्वारा कस्टमाईजेशन के अनुरोध की वजह से थी जिससे लदान की पूर्णतः देरी हुई।
17.	31-08-2007/ 06-01-2014/ 22-01-2015/ 22-10-2015/ 18-04-2016 2014E003090101 (₹ 5.67 करोड़)	नाविक एस.पी.एस., जी.पी.एस. तथा गगन रिसीवर के 105 इकाइयों की मैसर्स ऐकॉर्ड, बंगलोर से खरीद	77.33	9.70	5.97	93	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। उपयोगकर्ता रिसिवर्स की सुपुर्दगी तथा

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
		(सैक)					प्रतिस्थापन विभिन्न स्थानों पर की जानी थी। इस खरीद क्रियान्वयन में हुई देरी, सैक, अहमदाबाद द्वारा विक्रेता को खरीद आदेश के साथ इन स्थानों के विवरण के गैर-प्रस्तुतीकरण की वजह से था।
18.	31-08-2007/ 08-07-2014/ 27-02-2015/ 14-11-2015/ 31-05-2017 को अपूर्ण 20140014880101 (₹ 1.90 करोड़)	नाविक एस.पी.एस., जी.पी.एस. तथा गगन रिसीवर के 105 इकाइयों की मैसर्स डेटा पैटर्न, चेन्नई से खरीद (सैक)	83.43	4.80	18.80	107.03	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह (i) विक्रेता द्वारा स्पेसिफिकेशन में बदलाव का अनुरोध तथा सैक द्वारा परिवर्तन के पुष्टिकरण में लगे 3 महीने (ii) मैकेनिकल संरचना विश्लेषण तथा आर.एफ. बोर्ड के ए.डी.एस. सिमुलेशन पर अतिरिक्त बातचीत थी।
19.	31-08-2007/ 26-04-2016/ 20-02-2017/ 20-08-2017 2016ई015390101 (₹ 5.40 करोड़)	नाविक एस.पी.एस., जी.पी.एस. तथा गगन रिसीवर के 100 इकाइयों की मैसर्स ऐकॉर्ड, बंगलोर से खरीद (सैक)	105.37	7	--	112.37	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।

* उपयोगकर्ता उपकरण के अंतर्गत क्रय हेतु माँग पत्रों को 01 जुलाई 2006 से 14 महीनों के अंदर (तीन महीने सिमुलेटर के खरीद आदेश देने हेतु + 11 महीने सिमुलेटर सुपुर्दगी के समापन हेतु) अर्थात अगस्त 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था।

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
		आई.एन.सी.					
20.	01-07-2006/ 01-02-2008/ 28-01-2009/ 10-08-2009/ 05-07-2010 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.आर.एन.एस.एस./1000/5987 (₹ 12.16 करोड़)	आई.डी.ई.एस.एन. कैंपस, बयालालू गाँव, बंगलौर में आई.आर.एन.एस.एस. कॉम्पलेक्स का निर्माण - सिविल, पी.एच., विद्युतीय तथा एयर कंडीशनिंग कार्य को शामिल करते हुए। (इसट्रैक)	19.33	9.07	10.97	39.37	इसरो द्वारा सिविल कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस कार्य के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह (i) हार्ड रॉक उत्खनन भूकार्य में देरी (ii) कैफेटेरिया बिल्डिंग में रूफ स्लैब का विस्तार (iii) एंटिना सहायक संरचना में टॉप रिंग बीम में बदलाव था।
21.	01-07-2006/ 01-11-2013/ 17-01-2014/ 30-07-2014/ 27-12-2014 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.एन.सी.-2 - एल.सी.के./1097/ 15416 (₹ 1.04 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. सुविधा, आई.एल.एफ. लखनऊ में आई.एन.सी.-2 बिल्डिंग हेतु सबस्टेशन, केबल ट्रेंच व ट्रांसफॉर्मर फाउंडेशन तथा फेंसिंग का निर्माण (इसट्रैक)	89.33	--	5	94.33	इसरो द्वारा सिविल कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस कार्य के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थी: (i) सबस्टेशन के स्थानांतरण में देरी (ii) फुटिंग डेप्थ्स, डिजाईन मिश्रण, परीक्षण सामग्री, तथा केबल ट्रेंच रूट के समाशोधन में देरी।
22.	01-07-2006/ 01-11-2013/ 17-02-2014/ 02-06-2015/ 30-08-2016 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.एन.सी.-2-एल.सी.के./1097/15539 (₹ 6.61 करोड़)	आई.एल.एफ. लखनऊ में आई.आर.एन.एस.एस. सुविधा हेतु आई.एन.सी.-2 बिल्डिंग का निर्माण (सिविल व पीएच कार्य)	89.33	--	15.17	104.50	इसरो द्वारा सिविल कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस कार्य के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह (i) फुटिंग डेप्थ्स की

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
		(इसट्रैक)					समाशोधन में देरी (ii) परिक्षण सामग्री का समाशोधन (iii) निगरानी, प्रबंधक, सम्मेलन, तथा इंजिनियर कक्षों में परिवर्तन था।
23.	01-07-2006/ 16-09-2014/ 13-04-2015/ 27-12-2015/ 26-12-2016 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.एन.सी.-2 एल.सी.के./सी.ओ.एन./डब्ल्यू.ओ.-1/15-16/17817 (₹ 1.50 करोड़)	आई.एल.एफ. लखनऊ में आई.आर.एन.एस.एस. सुविधा हेतुआई.एन.सी.-2 बिल्डिंग का निर्माण-विद्युतीय कार्य - बाहरी विद्युतीय आपूर्ति का आंतरिक विद्युतीकरण (इसट्रैक)	99.97	3.97	12.17	116.11	इसरो द्वारा सिविल कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस कार्य के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह सिविल कार्य के समापन में देरी थी जिससे इस कार्य के आरंभ में देरी हुई।
24.	31-01-2008**/ 16-03-2015/ 04-11-2015/ 18-03-2016/ 17-06-2016 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.एन.सी.-2- एल.सी.के./सी.ओ.एन./डब्ल्यू.ओ.-4/15-16/17802 (₹ 1.14 करोड़)	आई.एल.एफ. लखनऊ में आई.आर.एन.एस.एस. सुविधा हेतु आई.एन.सी.-2 बिल्डिंग का निर्माण-विद्युतीय कार्य-बैटरी बैकअप के साथ यू.पी.एस. पैरेलल लाइन के 2x100केवीए की आपूर्ति, प्रतिष्ठापन, जांच व प्रवर्तन (इसट्रैक)	86.70	4.77	3.03	94.50	इसरो द्वारा कार्य योजना तथा क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
25.	01-07-2006/ 16-09-2014/ 18-03-2015/ 31-08-2015/ 16-12-2016 इसट्रैक/सी.एम.डी./सी.ओ.एन./आई.एन.सी.-2 - एल.सी.के./सी.ओ.एन./डब्ल्यू.	आई.आर.एन.एस.एस. सुविधा हेतु आई.एन.सी.-2 बिल्डिंग का निर्माण- आई.एल.एफ. लखनऊ के सबस्टेशन बिल्डिंग में लो-टेंशन	99.97	3.10	15.77	118.84	इसरो द्वारा सिविल कार्य योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस कार्य के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
	ओ.-3/14-15/17726 (₹ 1.73 करोड़)	विद्युतीय कार्य (इसट्रैक)					सिविल कार्य के समापन में देरी थी जिससे इस कार्य के आरम्भ में देरी हुई।
*डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद सिविल वर्क्स के मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था। ** यू.पी.एस. हेतु आरपीएफ की पहल 1 जुलाई 2006 से 19 महीनों (तीन महीने कार्य आदेश देने से पहले+सिविल कार्य समापन हेतु 16 महीने) अर्थात जनवरी 2008 तक की जानी थी।							
		अन्य अंतरिक्ष उपभोज्य					
26.	01-07-2006/ 08-07-2013/ 21-03-2014/ 21-07-2014/ 21-07-2014 2013ई002100101 (₹ 69.24 लाख)	वेक्टर नेटवर्क विश्लेषक (सैक)	85.47	5.53	--	91	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
27.	01-07-2006/ 11-06-2007/ 26-03-2008/ 26-05-2009/ 04-01-2010 20070006090101 (₹ 41.73 करोड़)	ट्रेवलिंग वेव ट्यूब एम्पलीफायर (सैक)	11.50	6.63	7.43	25.56	इसरो द्वारा क्रय योजना तथा क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
28.	01-07-2006/ 28-05-2008/ 12-03-2009/ 31-08-2010/ 10-09-2011 20080000800101 (₹ 9.65 करोड़)	फैब्रिकेशन ई.पी.सी., स्वदेशी विकास (सैक)	23.23	6.60	12.50	42.33	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थी: (i) ठेकेदार द्वारा इस आदेश के लिए तय कुछ घटकों का व्यपवर्तन सैक के किसी अन्य आदेश में किया गया। (ii) नए घटकों के आगमन में देरी (iii) सैक में अहर्कारी मॉडल इकाइयों के परीक्षण सुविधा की गैर-उपलब्धता

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
29.	01-07-2006/ 07-02-2013/ 13-06-2014/ 28-05-2015/ 05-04-2017 20120027300101 (₹ 2.88 करोड़)	सी बैण्ड रिसीवर की फैब्रिकेशन, परीक्षण तथा सुपुर्दगी (सैक)	80.43	13.37	22.60	116.40	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरीके वजह सैक द्वारा ठेकेदार को फ्री इशू मटीरियल की सुपुर्दगी में देरी थी।
30.	01-07-2006/ 25-07-2013/ 04-09-2014/ 12-08-2015/ 19-07-2016 20120027360101 (₹ 2.26 करोड़)	एल5 एण्ड एस बैण्ड माड्युलेटर्स की फैब्रिकेशन, परीक्षण तथा सुपुर्दगी (सैक)	86.03	10.53	11.40	107.96	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थी - ठेकेदार द्वारा इसरो को फ्री इशू मटीरियल के प्राप्ति के लिए बैंक गारंटी के प्रस्तुतिकरण में देरी।
31.	01-07-2006/ 01-10-2012/ 23-07-2013/ 02-12-2013/ 17-08-2015 20120016200101 (₹ 72.83 लाख)	6.3 एम.एल. एण्ड एस बैण्ड एंटेना प्रणाली एलएनए असेंबली सहित (सैक)	76.13	6.83	20.77	103.73	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी विक्रेता के वजह से थी।
32.	01-07-2006/ 07-02-2013/ 31-07-2014/ 07-11-2015/ 31-05-2017 को अपूर्ण ए.एच.एस.एन.2012002735 0101 (₹ 3.28 करोड़)	एल5 एण्ड एस बैंड अप-कन्वर्टर (आई.आर.एन.एस.एस.) (सैक)	80.43	14.97	19.03	114.43	इसरो द्वारा क्रय योजना तथा क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
33.	01-01-2012**/23-09-2016/09-12-2016/30-06-2018 2016E022840101 (₹ 1.94 करोड़)	दो उपग्रहों का असेंबली, एकीकरण तथा परीक्षण (आईसैक)	57.57	--	--	57.57	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
* डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद अन्य अंतरिक्ष उपभोज्य की खरीद के लिए मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था। ** दो ग्राउंड स्पेयर नाविक उपग्रहों की असेम्बली, एकीकरण तथा परीक्षण हेतु मांग पत्रों को 1 जनवरी 2012 तक प्रस्तुत किया जाना था अर्थात दिसम्बर 2011 तक नाविक कार्यक्रम के नियत परिचालन के पश्चात।							
	उपग्रह नियंत्रण केंद्र						
34.	01-07-2006/ 18-09-2007/ 20-03-2008/ 30-09-2009/ 26-02-2016 20070002480101 (₹ 11.40 करोड़)	11 एम फुल मोशन सी-बैण्ड एंटेना की आपूर्ति, प्रतिष्ठापन तथा प्रवर्तन (एम.सी.एफ.)	14.80	3.13	78	95.93	इसरो द्वारा क्रय योजनामें हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय क्रियान्वयन में हुई देरी भोपाल में स्थल के तैयार न होने की वजह से थी।
35.	01-07-2006/ 18-09-2007/ 20-03-2008/ 30-09-2009/ 10-12-2013 20070002490101 (₹ 5.60 करोड़)	7.2 एम एंटेना की आपूर्ति, प्रतिष्ठापन तथा प्रवर्तन (एम.सी.एफ.)	14.80	3.13	51.07	69	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय क्रियान्वयन में हुई देरी भोपाल में स्थल के तैयार न होने की वजह से थी।
36.	01-07-2006/ 26-11-2013/ 20-05-2015/ 20-08-2016/ 31-03-2017 2013ई001390101 (₹ 6.75 करोड़)	11 एम.एल./एस. फुल मोशन एंटिना की आपूर्ति तथा प्रतिष्ठापन (एम.सी.एफ.)	90.17	15	7.43	112.60	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस क्रय क्रियान्वयन में देरी डिजाईन में अनुवर्ती संशोधनों की वजह से थी।

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
37.	01-07-2006/ 26-11-2013/ 24-09-2015/ 24-03-2017/ 31-05-2017 को अपूर्ण 2013ई001400101 (₹ 10.68 करोड़)	11एम. एफ.एम.ए. प्रणाली का सी.आई.वी. सहित प्रतिष्ठापन (एम.सी.एफ.)	90.17	19.23	2.27	111.67	इसरो द्वारा क्रय योजना तथा क्रियान्वयन में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
* डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद उपग्रह नियंत्रण केंद्र की खरीद के लिए मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था।							
आई.आर.आई.एम.एस.							
38.	30-06-2007/ 17-02-2009/ 19-05-2011/ 13-11-2013/ 24-09-2013 20080005610101 (₹ 26.19 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस.संदर्भ रिसीवर (आई.आर.आई.एम.एस.) (इसट्रैक)	19.93	24.37	--	44.30	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
39.	30-06-2007/ 09-03-2010/ 04-01-2012/ 28-06-2013/ 23-01-2014 20090006670101 (₹ 7.50 करोड़)	स्वदेशी संदर्भ रिसीवर का विकास (इसट्रैक)	32.77	19.20	6.97	58.94	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थी: (i) इसट्रैक द्वारा परियोजना दल, जो लांच के पहले और बाद की गतिविधियों में अतिव्यस्त थे, की गैर-उपलब्धता (ii) स्तर 2 रिसीवर के सी.डी.आर. का पुनर्निर्धारण
* आई.आर.आई.एम.एस. रिसीवर के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से 12 महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + नौ महीने कार्य समापन हेतु) अर्थात जून 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था।							
संचार लिंक							
40.	30-04-2007*/ 12-12-2008/ 12-03-2010/ 30-07-2010/ 29-05-2013	विसैट संचार नेटवर्क (इसट्रैक)	19.73	12.17	34.47	66.37	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
	20080004340101 (₹ 1.87 करोड़)						गया। इस क्रय के क्रियान्वयन में विलंब का कारण स्थलों का तैयार नहीं होना था।
41.	31-01-2008#/16-03-2016/12-09-2016/17-03-2017/31-05-2017 को अपूर्ण 2016E007490101 (₹ 3.43 करोड़)	डेटासंचार नेटवर्क (आई.आर.डी.सी.एन.) का आई.एन.सी. - 2 लखनऊ में प्रतिष्ठान (इसट्रैक)	98.90	3	2.5	104.40	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। विमुद्रीकरण के बाद के प्रभावों तथा बैंकिंग संबंधी मुद्दों के कारण आपूर्तिकर्ता समय पर काम पूरा नहीं कर सके।
* आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.-I (बयालालू) के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से दस महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + सात महीने कार्य समापन हेतु) अर्थात अप्रैल 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था। # आई.आर.एन.डब्ल्यू.टी.-II (लखनऊ) के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से 19 महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + 16 महीने कार्य समापन हेतु) अर्थात जनवरी 2008 तक प्रस्तुत किया जाना था।							
परमाणु घड़ी							
42.	01-07-2006/ 16-02-2007/ 26-03-2008/ 11-09-2010/ 08-04-2014 20060073640101 (₹ 81.35 करोड़)	रूबीडीयम ऐटोमिक फ्रीक्वेंसी स्टैंडर्ड (आईसैक)	7.67	10.47	43.50	61.64	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थी: (i) एक्सपोर्ट लाईसेन्स हासिल करने में देरी (ii) तकनिकी मरम्मत के वजह से देरी।
43.	01-07-2006/ 31-07-2008/ 23-09-2008/ 24-11-2010/ 30-08-2014 20080009850101 (₹ 1.63 करोड़)	एटोमिक घड़ी का विकास (सैक)	25.37	--	45.83	71.20	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी की वजह थीः (i) सैक/इसरो द्वारा किए गए अनुवर्ती

क्रम संख्या	आर.एफ.पी. देय तिथि*/आर.एफ.पी. की तिथि/कार्य आदेश की तिथि/समापन की अनुसूचित तिथि/वास्तविक समापन की तिथि/कार्य आदेश संख्या तथा कीमत	विवरण तथा सम्बंधित इसरो केंद्र	चरण-I में देरी (माह में)	चरण-II में देरी (माह में)	चरण-III में देरी (माह में)	कुल देरी (माह में)	देरी की वजह
							डिजाईन परिवर्तन (ii) एन.पी.एल. द्वारा अतिमहत्वपूर्ण कच्चा माल-रूबीडीयम 87 आईसोटोप की खरीद में देरी।
* डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद ऐटोमिक घड़ी की खरीद के लिए मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था।							
सिग्नल निगरानी							
44.	01-07-2006/ 06-03-2013/ 24-06-2014/ 28-08-2014/ 11-01-2016 20120030600101 (₹ 2.06 करोड़)	आंकड़ा प्राप्ति तथा रिकॉर्डिंग प्रणाली (सैक)	81.33	12.83	16.70	110.86	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया। इस खरीद के क्रियान्वयन में हुई देरी, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र के वजह से थी।
* डी.ओ.एस. द्वारा जून 2006 में वित्तीय संस्वीकृति जारी करने के तुरंत बाद सिग्नल निगरानी प्रणाली की खरीद के लिए मांगपत्रों को प्रस्तुत किया जाना था।							
नैविगेशनल सर्वर तथा सॉफ्टवेयर							
45.	30-04-2007/ 04-12-2009/ 11-03-2010/ 29-04-2010/ 01-04-2010 20090004850101 (₹ 2.44 करोड़)	आई.आर.एन.एस.एस. सर्वर्स (इसट्रैक)	31.63	--	--	31.63	इसरो द्वारा क्रय योजना में हुई देरी के कारणों को अभिलिखित नहीं किया गया।
* नैविगेशनल सर्वर तथा सॉफ्टवेयर के अंतर्गत क्रय हेतु माँगपत्रों को 01 जुलाई 2006 से दस महीनों के अंदर (तीन महीने कार्य आदेश देने हेतु + सात महीने आई.एन.सी.-1 के कार्य समापन हेतु) अर्थात अप्रैल 2007 तक प्रस्तुत किया जाना था।							